सत्यमेव जयते

प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग–राजस्थान सरकार

SIQE के अन्तर्गत

लर्निंग आउटकम्स अनुरूप सी.सी.ई./सी.सी.पी./ए.बी.एल. आधारित

टर्मवार एवं कक्षावार पाठ्यक्रम विभाजन

कक्षा : 1 से 5 तक

विषय : हिन्दी

सत्र 2018–2019

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अधिगम प्रतिफल आधारित शिक्षण आकलन प्रॉ्रिया एवं सरंचना

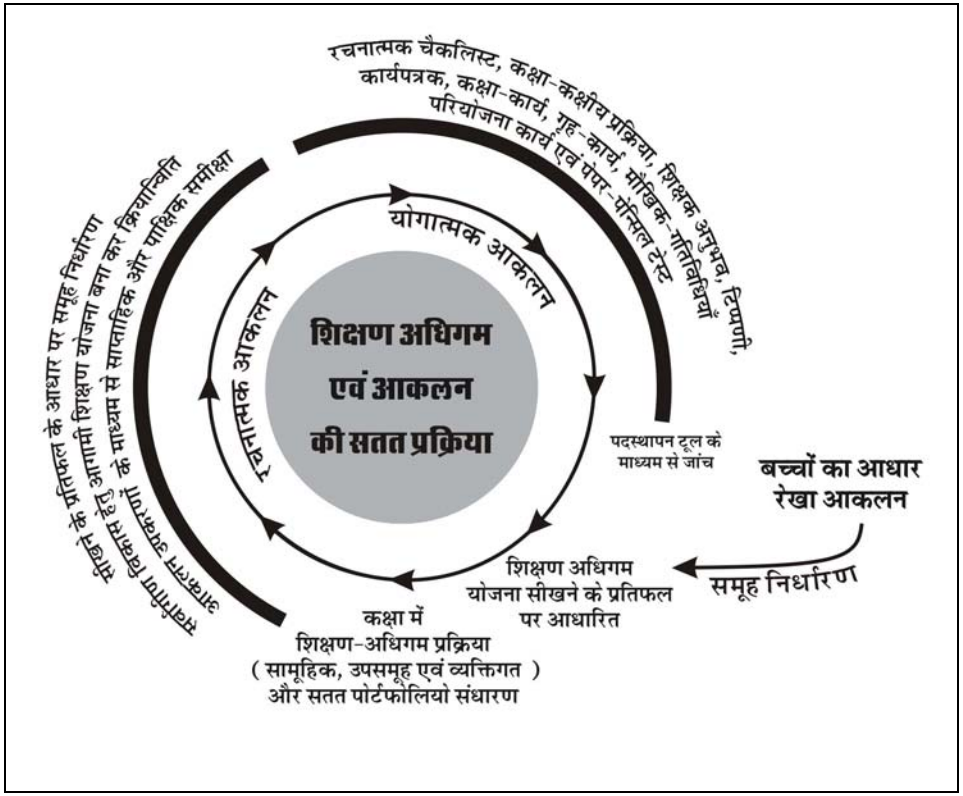

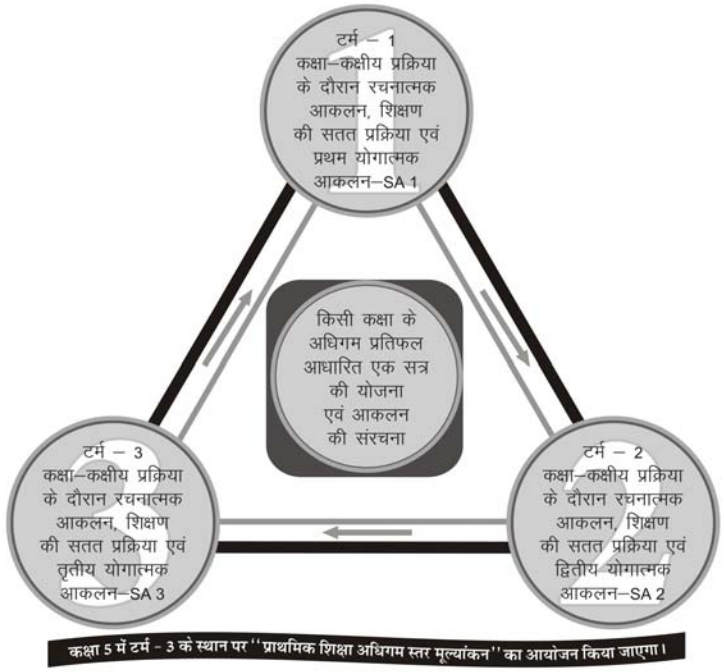

सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्

unicef
for every child

lj{kd e.My ,o lkexh fuek.k leg

lj{kd	% Jh ujs'k iky xxokj] iesa[k 'kklu lfpo] Ldwy f'k{kk ,o Hkk"kk foHkkx] jktLFkku ljdkj] t;iqj
lg&lj{kd	% Mk- tkxkjke] vk;qDr] jktLFkku ikjnfHkd f'k{kk ifj"kn] t;iqj
	% Jherh f'kokxh Lo.kdkj] funs'kd] jktLFkku ek/;fed f'k{kk ifj"kn] t;iqj
	% Jh ';ke flag jkt iqjkfgr] funs'kd] ikjnfHkd f'k{kk jktLFkku] chdkusj
	% Jh uFkey fMMwy] funs'kd] ek/;fed f'k{kk jktLFkku] chdkusj
	% Mk- fiz;k cyjke] mik;qDr **(SIQE)**] jktLFkku ikjnfHkd f'k{kk ifj"kn] t;iqj
	% Jherh vkHkk cuhoky] mik;qDr] **(SIQE)**] jktLFkku ek/;fed f'k{kk ifj"kn] t;iqj
eq[; ekxn'kZd	% Jh fnus'k dkBkjh] funs'kd] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj
ekxn'kZd	% Jh lqHkk"k 'kekZ] mifuns'kd] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj
ijke'kZn	% Mk- Mh-Mh- xkSre] mifuns'kd ¼lhlhbZ½] jk-ik-f'k-ifj"kn] t;iqj
	% Jh ekfgr dqekj] lgk;d funs'kd ¼lhlhbZ½] jk-ik-f'k-ifj"kn] t;iqj
	% Jherh lqyxuk jkSr] f'k{kk fo'ks"kK] ;qfuQ] t;iqj
iHkkjh vf/kdkjh	% Mk- xkfoUn flag] ofj"B 0;k[;krk] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj
leUo;d ,o iHkkjh	% Mk- vejs'k nk/khp] 0;k[;krk] ,l-vkbZ-bZ-vkj-Vh-] mn;iqj

lkexh fuek.k lfefr

1- Mk- lqtkrk 'kekZ	% iz/kkukpk;Z] jk-ck-m-ek-fo] [k.Mkj] lokbZek/kkiqj
2- Mk- xkfoUn ukjk;.k dqekor	% iz/kkukpk;Z] jk-vk-m-ek-fo- M;k<h] t;iqj
3- Mk- foeys'k dqekj ikjhd	% iz/kkuk/;kid] jk-m-ik-fo yk[kkybZ] t;iqj
4- Mk- jruiqjh xkSLokeh	% Okfj"B v/;kid] jk-ek-fo- rqylhnkl th dh ljk;] mn;iqj
5- Jh xkfoUn flag pkgku	% v/;kid] jk-ik-fo- myiqjk unh] jktleUn
6- Jh fofiu dqekj HkVV	% v/;kid] jk-m-ik-fo- xqykciqjk] x<h] ckSlokMk
7- Jh fot;jke vkfnP;	% v/;kid] jk-m-ik-fo- dq.Mky ¼dBkj½] iz-l- cMxko] mn;iqj
8- Jh iqj.key rqyh	% v/;kid] jk] ekMy] Ldwy] Hkikylkxj] fpÙkkMx<
9- Jh lqt; frokjh	% lhfu;j Qwyk] ck/k f'k{kk lfefr] t;iqj
10- Jh lqt; dqekj 'kekZ	% tsM- ,l- ,Q- Okk.kh lLFkk ¼;qfuQ½] t;iqj

पाठ्यक्रम विभाजन पुस्तिका के उपयोग हेतु शिक्षकों के लिए निर्देश

प्राथमिक स्तर की पाठ्यचर्या में भाषा का बड़ा ही महत्वपूर्ण स्थान है। भाषा के अधिगम के माध्यम से जो मूल–भूत कौशल अर्जित किए जाते हैं, वे अन्य क्षेत्रों की संकल्पनाओं को समझने–सीखने में भी सहायता करते हैं। इसके अतिरिक्त भाषा के प्रमुख मूल कौशल यथा–सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, सुनकर एवं पढ़कर विचारों को समझना, व्यावहारिक व्याकरण, स्व अधिगम भाषा प्रयोग और शब्द भंडार पर अधिकार बालक के व्यक्तित्व निर्माण में और उसके जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावी संप्रेषण करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

इसी क्रम में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF - 2005) के प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धातों एवं सीखने के प्रतिफल – 2017 को आधार मानते हुए राज्य में नवीन पाठ्यपुस्तकों के आधार पर सतत एवं व्यापक आकलन के प्रमुख दस्तावेजों का अद्योतिकरण सत्र 2017–18 में किया गया है। सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में सतत एवं व्यापक आकलन कर उसे दर्ज करना अनिवार्य है, जिससे बच्चों के निरन्तर बढ़ते कदम को देखा जा सके।

राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित सीखने के प्रतिफल (learning outcomes) के आधार पर इस पुस्तिका का निर्माण किया गया हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर सभी बच्चों का स्तर समान रूप से जाँचा जा सके।

राष्ट्रीय स्तर पर देश के सभी बच्चों का शैक्षिक स्तर एक समान हो एवं सम्पूर्ण राष्ट्र के बच्चों को समान रूप से जाँचा जा सके ताकि नीतिगत निर्णय लेने में सुविधा हो राज्यों के परिप्रेक्ष्य में इस हेतु राष्ट्रीय स्तर पर सीखने के प्रतिफल (learning outcomes) तैयार किए गए हैं। राज्य ने अपने संदर्भों को आधार बनाकर सीखने के प्रतिफल (learning outcomes) की पुस्तिका तैयार की गई हैं। इस पुस्तिका में पाठ्यक्रम एवं अधिगम प्रतिफलों को कक्षावार वर्णित किया गया है।

'टर्मवार एवं कक्षावार पाठ्यक्रम विभाजन' की पुस्तिका को अधिगम प्रतिफलों के आधार पर अद्योतित किया गया है, इस पुस्तिका में मुख्यतः दो प्रारूप दिए गए हैं–

(1) सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यक्रम (कक्षा 1 से 5 तक)

(2) टर्मवार पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य

(1) <u>सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यक्रम (कक्षा 1 से 5 तक)</u> – हमें कार्य करने से पूर्व यह तय करना होगा कि हमारे कार्य करने का लक्ष्य क्या है। अतः प्रत्येक शिक्षक से अपेक्षा है कि वे प्रारूप एक को ध्यान से अध्ययन कर लें और स्पष्ट हो लें कि हमें वर्ष भर विद्यालय में बच्चों के साथ कक्षा में क्या कार्य करने हैं। इस प्रारूप में शिक्षक की मदद के लिए अधिगम क्षेत्र, सीखने के प्रतिफल, पाठ्यक्रम एवं पाठ क्रमांक/संदर्भ को अंकित किया गया है। शिक्षक योजना बनाने से पूर्व उक्त सामग्री का गहनता से अध्ययन कर लें, ताकि योजना बनाने में किसी प्रकार की दुविधा ना हो।

(2) <u>टर्मवार पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य</u>– सत्र को कुल तीन टर्म में विभक्त किया गया है। प्रस्तुत प्रारूप में अधिगम क्षेत्रों के आधार पर पाठों में से अधिगम उद्देश्य को टर्मवार निर्धारित किया गया है। यह कार्य प्रस्तावित है। शिक्षक अपनी आवश्यकता और सूझबूझ से इनमें परिवर्तन कर सकता है। यह प्रारूप शिक्षक को शिक्षण योजना बनाने में मददगार साबित होगा। तृतीय टर्म में सुदृढ़ीकरण करने की व्यवस्था रखी गई है। शिक्षक अपनी आवश्यकतानुसार सभी बच्चों का सुदृढ़ीकरण करेंगे।

पाठ्यपुस्तक प्रतिफल प्राप्ति हेतु मात्र एक साधन है। शिक्षक से अपेक्षा है कि वे प्रतिफलों की प्राप्ति हेतु पुस्तक से इतर सामग्री यथा विभिन्न समाचार पत्र, पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ पुस्तकें, विभिन्न विज्ञापन, विभिन्न योजनाऐं, अपठित गद्यांश, बाल कहानियाँ, ई ज्ञान पर उपलब्ध सामग्री, दैनिक जीवन से जुड़े उदाहरणों व अन्य बाल साहित्य का उपयोग करें।

शिक्षण योजना बनाते समय हमें भाषा शिक्षण के उद्देश्य, पाठ्यक्रम, सीखने के प्रतिफल एवं अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष पाठ का भली–भाँति अध्ययन कर लेना चाहिए। उक्त सभी पहलुओं की दृष्टि से इस पुस्तिका में दिए गए दोनों प्रारूप हमारे लिए शिक्षण योजना बनाने व कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया के दौरान मददगार साबित होंगे।

d{kk ,d l ikp rd ikB;p;k lc/kh vi{kk,

- दूसरों की बातों को रूचि के साथ और ध्यान से सुनना।
- अपने अनुभव–संसार और कल्पना–संसार को बेझिझक और सहज ढंग से अभिव्यक्त करना।
- अलग–अलग संदर्भों में अपनी बात कहने की कोशिश करना (बोलकर/इशारों से/साइन लैंग्वेज़ द्वारा/चित्र बनाकर)।
- स्तरानुसार कहानी, कविता आदि को सुनने में रूचि लेना और उन्हें मज़े से सुनना और सुनाना।
- देखी, सुनी और पढ़ी गई बातों को अपनी भाषा में कहना, उसके बारे में विचार करना और अपनी प्रतिक्रिया/टिप्पणी (मौखिक और लिखित रूप से) व्यक्त करना।
- सुनी और पढ़ी कहानियों और कविताओं को समझकर उन्हें अपने अनुभवों से जोड़ पाना तथा उन्हें अपने शब्दों में कहना और लिखना।
- स्तरानुसार कहानी, कविता या अनुभव के स्तर पर किसी स्थिति का निष्कर्ष या उपाय निकालना।
- लिपि–चिह्नों को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर और समझकर उनमें सहसंबंध बनाते हुए लिखने का प्रयास करना।
- चित्र और संदर्भ के आधार पर अनुमान लगाते हुए पढ़ना।
- पढ़ने की प्रक्रिया को दैनिक जीवन की (स्कूल और बाहर की) जरूरतों से जोड़ना, जैसे – कक्षा और स्कूल में अपना नाम, पाठ्यपुस्तक का नाम और अपनी मनपसंद पाठ्यसामग्री पढ़ना।
- सुनी और पढ़ी गई बातों को समझकर अपने शब्दों में कहना और लिखना।
- चित्रों को स्वयं की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाना।
- पुस्तकालय और विभिन्न स्त्रोतों (रीडिंग कॉर्नर, पोस्टर, तरह–तरह की चीज़ों के रैपर, बाल पत्रिकाएँ, साइन लैंग्वेज, ब्रेल लिपि आदि) से अपनी पसंद की किताबें/सामग्री ढूँढ़कर पढ़ना।
- अलग–अलग विषयों पर और अलग–अलग उद्देश्यों के लिए लिखना।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि लिखना।
- मुख्य बिंदु/विचार को ढूँढ़ने के लिए विषय–सामग्री की बारीकी से जाँच करना।
- विषय–सामग्री के माध्यम से संदर्भ के अनुसार नए शब्दों का अर्थ जानना।
- मनपसंद विषय–चिह्नों का समझ के साथ प्रयोग करना।
- संदर्भ और लिखने के उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त भाषा (शब्दों, वाक्यों आदि) का चयन और प्रयोग करना।
- नए शब्दों को चित्र–शब्दकोश/शब्दकोश में देखना।
- भाषा की लय और तुक की समझ होना तथा उसका प्रयोग करना।
- घर और विद्यालय की भाषा के बीच संबंध बनाना।

सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यØम कक्षा – 1 हिंदी

क्र. सं.	अधिगम क्षेत्र	सीखने के प्रतिफल	पाठ्यक्रम	पाठ क्रमांक/सदर्भ
1.	सुनकर समझना और समझकर बोलना	• भाषा में निहित ध्वनियों और तुकवाले शब्दों के साथ खेलने का आनंद होता है। जैसे–चमन, रतन, नयन, वतन, राम आदि। • पढ़ी कहानी/कविता आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर समझकर उनकी पहचान करते हैं। • विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे–कविता/कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछते हैं, किसी अनुभवों को साझा करना करते हैं। • सुनी सामग्री (कहानी/कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, अपनी राय देते हैं, प्रश्न पूछते हैं। • परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे–मिड डे मिल का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसंद किताबों का शीर्षक आदि) में रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे–चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना साथ ही दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को पहचानते हैं तथा इनसे संबंधित बातचीत करते हैं।	• भाषा की विविध विधाओं, जैसे– गीत, कविता, कहानी, वार्तालाप, संवाद, चित्र एवं दृश्य पर चर्चा आदि को सुनकर आनंद प्राप्त करना। • कहानी, कविता, शब्द वाक्यों को ध्यानपूर्वक सुनकर समझना। • सुनने के शिष्टाचार का पालन करना। • सुनी, पढ़ी, देखी सामग्री में क्या, कौन, कब, कैसे, कहाँ, जैसे प्रश्न पूछ पाना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना। • सुनी एवं पढ़ी हुई सामग्री को अपने शब्दों में कहना। • सुने हुए गीत, कविता, कहानी, वार्तालाप, आदि में अपने अनुभवों को जोड़कर अपनी बात कहना, प्रश्न बनाना व पूछना। • परिवेश एवं संदर्भ से संबंधित सामग्री को समझना। • परिचित एवं नवीन परिस्थितियों में अपने विचारों अनुभवों एवं कल्पना को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना। • अपने घर परिवार, विद्यालय एवं परिवेश में होने वाली समूह चर्चा में भाग लेना और अपने विचार प्रस्तुत करना।	कक्षा 1 की राज्य में प्रचलित पाठ्यपुस्तक एवं दैनिक जीवन से संबंधित अनुभवों विचारों को सम्मिलित कर संदर्भित उदाहरणों के प्रयोग से भाषा कौशल का विकास करें।
2.	पढ़ना और पढ़कर समझना	• प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर प्रिंट सामग्री (जैसे–चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अंतर करते हैं। • चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।	• परिवेश में उपलब्ध संदर्भो, चित्रों के अनुसार व छपी हुई तथा बिना छपी हुई सामग्री को देखकर/पढ़कर समझना।	सीखने के प्रतिफल (लर्निंग आउटकम्स) को प्राप्त करने हेतु समय–समय पर

		• संदर्भ की मदद से आसपास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं जैसे–टॉफी के अंदर के कवर पर लिखे नाम को टॉफी, लॉलीपॉप या चॉकलेट बताना। • प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे– 'मेरा नाम विमला है' बताओ यह कहाँ लिखा हुआ है?/इसमें 'नाम' कहाँ लिखा हुआ है?/'नाम' में 'म' पर अंगुली रखो। • हिंदी में वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं। • स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।	• चित्रों एवं दृश्य चित्रों को पढ़ना तथा सूक्ष्म अवलोकन करना। • परिवेश में उपलब्ध संदर्भों,चित्रों व छपी हुई सामग्री को पढ़कर समझना। • शब्दों/वर्णों में आपसी सह–संबंध स्थापित करते हुए प्रसंग के अनुसार पढ़ना। • शब्दों और वाक्यों को वर्ण जोड़कर पढ़ने के साथ इकाई के रूप में समझना। • परिवेश में उपलब्ध पुस्तकों का अवलोकन करना तथा पढ़ने का प्रयास करना।	पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं परिवेश में उपलब्ध संदर्भ पुस्तकों का उपयोग करें।
3.	लिखना	• लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों/आड़ी तिरछी रेखाओं अक्षर आकृतियों, स्ववर्तनी (इनवेंटिड स्पेलिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।	• आड़ी–तिरछी रेखाएँ खींचना, टुकडों से जोड़कर वर्ण/आकृति बनाना/शब्द लिखना • सरल एवं छोटे–छोटे वाक्य लिखना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
4	सृजनात्मक अभिव्यक्ति	• चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं। • स्वयं बनाए गए चित्रों के नाम लिखते (स्पेलिंग) हैं। जैसे–हाथ के बने पंखें का चित्र बनाकर उसके नीचे 'बीजना' (स्थानीय भाषा, बच्चे के घर की भाषा हो सकती है) लिखना।	• चित्रों को देखकर कहानी का सृजन करना और कहानी की घटनाओं से आनंदित होकर प्रशंसा करना। • स्व–निर्मित चित्रों ओर उनके नामों से मिलान करना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।

सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यØम कक्षा – 2 हिंदी

क्र. सं.	अधिगम क्षेत्र	सीखने के प्रतिफल	पाठ्यक्रम	पाठ क्रमांक/सदंर्भ
1.	सुनकर समझना और समझकर बोलना	• विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि। • कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते हैं/सुनाते हैं। • देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/सुनाते हैं। • अपने निजी जिंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनाई जा रही सामग्री जैसे– कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं। • अपनी कल्पना और अनुभव से कहानी, कविता आदि को आगे बढाते हैं। • अपनी कल्पना से कहानी कविता आदि कहते/सुनाते/आगे बढ़ाते हैं। • वाक्य संरचना और अभिव्यक्ति के दौरान उचित लिंग तथा वचन का प्रयोग करते हैं।	• गति एवं हाव–भाव के अनुसार बोलना। • परिचित एवं नवीन परिस्थितियों में सहजता से अपने विचार प्रस्तुत करना। • घर, परिवेश एवं विद्यालय की भाषा में तालमेल बैठाकर अपने अनुभव व्यक्त करना। • सुनी हुई बातों को अपने शब्दों में कहना। • सुने हुए गीत, कविता, कहानी, वार्तालाप आदि में अपने अनुभवों को जोड़कर अपनी बात कहना। • गीत, कहानी, कविता व अपने विचारों को अकेले तथा समूह में प्रस्तुत करना। • अपने विचार, अनुभवों एवं कल्पना को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना। • अपने घर, परिवार, विद्यालय एवं परिवेश में होने वाली समूह चर्चा में भाग लेना और अपने विचार प्रस्तुत करना। • कविता, कहानी को अपनी कल्पना से आगे बढ़ाते हुए बोलना। • वाक्य संरचना में सहजता से लिंग व वचन का प्रयोग करते हुए विचार व्यक्त करना।	1.कक्षा 2 की राज्य में प्रचलित पाठ्यपुस्तक एवं दैनिक जीवन से संबंधित अनुभवों विचारों को सम्मिलित कर संदर्भित उदाहरणों के प्रयोग से भाषा कौशल का विकास करें।
2.	पढ़ना और पढ़कर समझना	• अपने स्तर और पसंद के अनुसार कहानी, कविता,चित्र पोस्टर आदि को आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं। • चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं। • प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं। जैसे–मेरा नाम विमला है। बताओ, इस वाक्य में कितने	• परिवेश में उपलब्ध संदर्भों ,चित्रों व छपी हुई सामग्री को पढ़कर समझना। • चित्रों और शब्दों में आपसी सहसम्बंध स्थापित करते हुए प्रसंग के अनुसार पढ़ना। • अपने परिवेश में उपलब्ध सामग्री को अनुमान लगाकर समझते हुए पढ़ना, जैसे– दीवार,श्यामपट्ट, साइन बोर्ड आदि। • पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों में से अपनी रुचि एवं	2.सीखने के प्रतिफल (लर्निंग आउटकम्स) को प्राप्त करने हेतु समय–समय पर पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं परिवेश में उपलब्ध संदर्भ पुस्तकों का उपयोग करें।

		शब्द हैं ? नाम शब्द में कितने अक्षर हैं या नाम शब्द में कौन–कौन से अक्षर हैं। • स्कूल के बाहर व स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय) से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।	पसंद की पुस्तक का चयन कर पढ़ना।	
3.	लिखना	• भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मजा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं, जैसे – एक था पहाड़। उसका भाई था दहाड़। दोनों गए खेलने.....। • परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रुचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं जैसे – चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना। • हिन्दी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं। • स्वेच्छा से शिक्षक द्वारा तय गतिविधियों के अन्तर्गत चित्रों, आड़ी, तिरछी रेखाओं (किरम काँटो) अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ाते हुए स्ववर्तनी का उपयोग और स्वनियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं। • सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह–तरह से चित्रों/शब्दों/वाक्यों द्वारा लिखित रूप से अभिव्यक्त करते हैं। • अपनी निजी जिन्दगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं। • पठित शब्दों/वाक्यों का श्रुतलेखन करते हैं।	• शब्द और वाक्य स्पष्ट रूप से लिख सकना। • परिवेश व संदर्भों के अनुभवों को अपने शब्दों में लिखना। • कविता कहानी को अपनी कल्पना से आगे बढ़ाते हुए लिखना। • सुनी हुई विषयवस्तु व अनुभवों को अपने शब्दों में लिखना। • तार्किक चिंतन के आधार पर सरल रचनाएँ करना एवं अपनी बात लिखना। • सुनी हुई विषयवस्तु और अपने मन की बात को यथारूप लिखना। • परिवेशीय घटना को अपने अनुभव से जोड़ते हुए लिखना। • श्रुतलेख लिखना।	3. बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
4	सृजनात्मक अभिव्यक्ति	• चित्र में क्रमवार सजाएँ चित्रों में घट रही अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं। • डॉट्स को मिलाकर चित्र और विभिन्न प्रकार के कागज के मुखौटे, अन्य वस्तुएँ निर्मित करते हैं।	• चित्र देखकर अच्छी आदतों/घटनाओं/कार्यों की सराहना करना। • बिन्दुओं और चित्रों को देखकर नये चित्र, मुखौटे, वस्तुएँ बनाना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।

सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यØम कक्षा – 3 हिंदी

क्र. सं.	अधिगम क्षेत्र	सीखने के प्रतिफल	पाठ्यक्रम	पाठ क्रमांक/सदंर्भ
1.	सुनकर समझना और समझकर बोलना	• कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। • कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार–चढ़ाव , गति प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं। • सुनी हुई रचनाओं की विषयवस्तु , घटनाओं ,पात्रों शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं , प्रश्न पूछते हैं अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं। अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त कर सकते हैं। • कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।	• कविताएँ सुनकर उसके अर्थ एवं भावों को समझना एवं आनंद की अनुभूति करना। • गीत, कविता आदि को लय, ताल के साथ बोलना। • किस्से– कहानियाँ सुनकर आनंद प्राप्त करना। • दूसरों के विचारों को ध्यान से और धैर्य के साथ सुनकर अपने विचार व्यक्त करना। • सहज रूप से अपनी बात कह पाना।	1.कक्षा 3 की राज्य में प्रचलित पाठ्यपुस्तक एवं दैनिक जीवन से संबंधित अनुभवों विचारों को सम्मिलित कर संदर्भित उदाहरणों के प्रयोग से भाषा कौशल का विकास करें।
2.	पढ़ना और पढ़कर समझना	• अलग – अलग तरह की रचनाओं / सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, हॉर्डिंगस आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/ अपनी राय देते हैं।/ शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं। • अलग–अलग तरह की रचनाओं में आए नये शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।	• साहित्य की विभिन्न विधाओं यथा कहानी, गीत , संवाद, निबन्ध आदि से परिचित होकर उन विधाओं की अन्य पुस्तकें पढ़ना। • पाठ्य–सामग्री (अखबार, पत्र–पत्रिका आदि) को पढ़कर उन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना। • विषय सामग्री के माध्यम से नये शब्दों के अर्थ संदर्भ में ढूँढ़ना और जानना।	2.सीखने के प्रतिफल (लर्निंग आउटकम्स) को प्राप्त करने हेतु समय–समय पर पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं परिवेश में उपलब्ध संदर्भ पुस्तकों का उपयोग करें।
3.	लिखना	• स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अन्तर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्वनियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं। • अलग–अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल–पत्रिका, हॉर्डिंगस आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ब्रेललिपि आदि में) देते हैं।	• विभिन्न परिस्थितियों/काल्पनिक घटनाओं को अपने शब्दों में लिख पाना। • प्रश्न के अनुरूप उत्तर को अपने शब्दों में लिखना। • विषय के अनुसार विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करना।	3. बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
4.	व्यावहारिक व्याकरण	• तरह–तरह की कहानियों, कविताओं/रचनाओं की भाषा को बारीकियों (जैसे– शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम,	• व्याकरण की विधाओं (जैसे–श्शब्दों की पुनरावृत्ति संज्ञा, सर्वनाम आदि) की पहचान करना और प्रयोग	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से

		विभिन्न विराम चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं। • विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिह्नों जैसे– पूर्ण विराम, अल्पविराम, प्रश्न चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं। • सामान्य व्याकरण से अवगत हैं, वाक्य संरचना के अन्तर्गत संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, आदि की सही पहचान करते हैं। अनुस्वार तथा अनुनासिक का विभेद भी करते हैं।	करना। • लेखन में विराम चिह्नों का शुद्ध प्रयोग करना। • अनुनासिक और अनुस्वार में अंतर कर पाना।	जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
5.	सृजनात्मक अभिव्यक्ति	• विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे–दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं। • सामान्य पत्र, लेख लिखते हैं तथा समाचार का आदान–प्रदान करते हैं।	• कहानी,कविता,निबन्ध और पत्र लिख पाना। • विभिन्न विधाओं के माध्यम से बहुभाषिक और बहु सांस्कृतिक संदर्भों से जुड़ना। • विषय के अनुसार विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करना। • भावों, विचारों अनुभवों व चिंतन को अपने शब्दों में लिखना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
6.	परिवेशीय सजगता	• आस–पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।	• आस–पास मौजूद हालातों आदि के बारे में सवाल करना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।

सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यØम कक्षा – 4 हिंदी

क्र. सं.	अधिगम क्षेत्र	सीखने के प्रतिफल	पाठ्यक्रम	पाठ क्रमांक/सदर्भ
1	सुनकर समझना और समझकर बोलना	• दूसरों द्वारा कही जा रही बात को ध्यान से सुनकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं और प्रश्न पूछते हैं। • सुनी रचनाओं की विषयवस्तु घटनाओं, चित्रों, पात्रों शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं। प्रश्न पूछते हैं। अपनी राय देते हैं, अपनी बात के लिए तर्क देते हैं। • कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को अपनी तरह से, अपनी भाषा में कहते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते और उसका इस्तेमाल करते हैं।	• दूसरों के विचार को धैर्यपूर्वक सुनना और अपने विचार छोटे समूह में व्यक्त करना। • बोलने के शिष्टाचार का पालन करना। • सुने गए भावों, विचारों पर चिन्तन करना। • सहज रूप से अपनी बात परिस्थिति एवं अवसर के अनुरूप कह सकना। • किस्से, कहानियाँ सुनकर आनंद प्राप्त करना। • रोचक कहानी, कविता आदि सुनकर अपने अनुभव में वृद्धि करना। • सशक्त रूप से अपनी बात कहना।	कक्षा 4 की राज्य में प्रचलित पाठ्यपुस्तक एवं दैनिक जीवन से संबंधित अनुभवों विचारों को सम्मिलित कर संदर्भित उदाहरणों के प्रयोग से भाषा कौशल का विकास करें।
2	पढ़ना और पढ़कर समझना	• विविध प्रकार की सामग्री (जैसे – समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक, बाल–पत्रिका आदि) में आए प्राकृतिक सामाजिक एवं अन्य संवेदनशील बिन्दुओं को समझते और उन पर चर्चा करते हैं। • पढ़ी हुई सामग्री और निजी अनुभवों को जोड़ते हुए उनसे उभरी संवेदनाओं और विचारों की (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं। • अपनी पाठ्यपुस्तक से इस सामग्री (बाल साहित्य/ समाचार पत्र के मुख्य शीर्षक/बाल पत्रिका/हॉर्डिंग्स/ दुकानों और सस्थानों के नाम आदि) को समझकर पढ़ते हैं। • अलग/अलग तरह की रचनाओं में आए शब्दों को सन्दर्भ में समझकर उनका अर्थ ग्रहण करते हैं। • पढ़ने के प्रति उत्सुक रहते हैं और पुस्तक कोना/पुस्तकालय से अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ते हैं। • पढ़ी रचनाओं के विषय–वस्तु, घटनाओं चित्रों पात्रों शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी राय देते हैं और अपनी बात के लिए तर्क देते हैं।	• पाठ्य सामग्री (जैसे – समाचार, पत्र पत्रिका आदि) को पढ़कर उन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना। • परिवेश में उपलब्ध पाठ्य–सामग्री के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करना। • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (जैसे – टीवी, इन्टरनेट, मोबाइल) परिवेश में उपलब्ध विज्ञापन आदि को पढ़कर समझ विकसित होना। • पढ़ते समय अपरिचित शब्दों का संदर्भ के आधार पर अनुमान लगाना। • पुस्तकालय से अपनी पसंद की पुस्तकें पढ़ना। • पठित संदर्भों के आधार पर बातचीत द्वारा तर्क सहित सवाल करना। • परिवेश में उपलब्ध पाठ्य–सामग्री (विषय–वस्तु, घटनाओं, चित्रों, पात्रों, शीर्षक आदि के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करना।	सीखने के प्रतिफल (लर्निंग आउटकम्स) को प्राप्त करने हेतु समय–समय पर पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं परिवेश में उपलब्ध संदर्भ पुस्तकों का उपयोग करें।

3	लिखना	• विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन बोर्ड पर लगाई जाने वाली सूचना, सामान की सूची, कविता, कहानी, चिट्ठी आदि) के अनुसार लिखते हैं। • स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं। • अलग–अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका इस्तेमाल करते हैं।	• विभिन्न परिस्थितियों/काल्पनिक घटनाओं को अपने शब्दों में लिख पाना। • विषय के अनुसार विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करना। • आत्म–विश्वास के साथ सुनकर लिख पाना। • विभिन्न अवसरों पर निबंध, कहानी,कविता,नारा लेखन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी रचनात्मक अभिवृत्ति का विकास करना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
4	व्यावहारिक व्याकरण	• भाषा की बारिकियों, जैसे–श्शब्दों की पुनरावृत्ति, सर्वनाम, विश्लेषण, लिंग, वचन आदि के प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं। • किसी विषय पर लिखते हुए शब्दों के बारीक अंतर को समझते हुए सराहते हैं और शब्दों का उपयुक्त प्रयोग करते हुए लिखते हैं। • विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम–चिह्नों, जैसे–पूर्ण–विराम, अल्प–विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं तथा विलोम, पर्यायवाची की सामान्य जानकारी रखते हैं। • भाषा साहित्य की विधाओं को पहचानते हैं तथा इनके अंतर को समझते हैं।	• शब्द–भण्डार में वृद्धि हेतु नए शब्द– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, पर्यायवाची, विलोम शब्द, वचन, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय आदि की समझ विकसित करना। • पत्रों के प्रकारों को समझकर लिखना और वाक्यों में उचित पदों का प्रयोग करना। • विराम चिह्नों का शुद्ध प्रयोग करना। • कविता,कहानी आदि का सृजन करना और उसे आगे बढ़ाना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
5	सृजनात्मक अभिव्यक्ति	• अपनी कल्पना से कहानी, कविता, वर्णन आदि लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं। • चित्रांकन और रंगांकन का कार्य अपेक्षाकृत स्पष्टता व रोचकता से करते हैं।	• विभिन्न अवसरों पर निबंध कहानी, कविता, नारा लेखन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी रचनात्मक अभिवृत्ति का विकास करना। • विषय के अनुसार विचारों को चित्रांकन व रंगांकन कर संदर्भों से जुड़ना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
6	परिवेशीय सजगता	• स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे–गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली की सराहना करते हैं।	• अपने आस–पास स्थित पशु–पक्षियों, पेड़– पौधों, उपयोग की वस्तुओं, व्यक्तियों (वृद्धों, महिलाओं, मित्रों) के प्रति सम्मान, मित्रता, सहिष्णुता का भाव रखना। • व्यक्तिगत, घरेलू व विद्यालय स्तर पर चीजों के व्यर्थ इस्तेमाल को रोकना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।

सीखने के प्रतिफल एवं पाठ्यØम कक्षा – 5 हिंदी

क्र. सं.	अधिगम क्षेत्र	सीखने के प्रतिफल	पाठ्यक्रम	पाठ क्रमांक/सदर्भ
1.	सुनकर समझना और समझकर बोलना	• सुनी अथवा पढ़ी रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय–वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं। • भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी (मौखिक) भाषा गढ़ते हैं। • सुनी अथवा पढ़ी हुई रचनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी, कविता आदि) की विषय वस्तु, घटनाओं, चित्रों और पात्रों, श्शीर्षक आदि के बारे में बातचित करते हैं/प्रश्न पूछते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं। • भाषा साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी रखते हैं साथ ही मंचन में रुचि रखते हैं।	• सुने गए भावों, विचारों पर चिन्तन कर सहज रूप से अपनी बात कह पाना। • रोचक कहानी, कविता सुनकर अपने अनुभवों में वृद्धि करना। • सशक्त रूप से अपनी बात कहना। • नए शब्दों को सुनकर उनके अर्थ समझना। • दूसरों के विचारों को ध्यान से और धैर्यपूर्वक सुनकर अपने शब्दों में अभिव्यक्त करना। • किस्से–कहानियाँ सुनकर व सुनाकर आनन्द प्राप्त करना। • सुने हुए गीत/कविता/ कहानी/घटना के आधार पर अपनी सांस्कृतिक धरोहर के बारे में जानना।	कक्षा 5 की राज्य में प्रचलित पाठ्यपुस्तक एवं दैनिक जीवन से संबंधित अनुभवों विचारों को सम्मिलित कर संदर्भित उदाहरणों के प्रयोग से भाषा कौशल का विकास करें।
2.	पढना और पढकर समझना	• विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं,जैसे– कहानी पढ़ने के बाद बच्चा कहता है–''मैं भी अपनी दादी की खाना बनाने में मदद करता हूँ।'' • विभिन्न स्थितियों और उद्देश्यों (बुलेटिन पर लगाई जाने वाली सूचना, कार्यक्रम की रिपोर्ट, जानकारी आदि प्राप्त करने के लिए) के लिए पढ़ते और लिखते हैं। • अपनी पाठ्यपुस्तक से इतर सामग्री (अखबार, बाल –पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझते हुए पढ़ते और उसके बारे में बताते हैं।	• पाठ्य सामग्री (अखबार,पत्र–पत्रिका आदि) को पढ़कर उन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना। • विभिन्न विचारों के माध्यम से बहुभाषिक और बहु सांस्कृतिक संदर्भों से जुड़ना। • परिवेश में उपलब्ध सामग्री का अध्ययन कर अपनी राय व्यक्त करना। • पाठ में निहित मूल भाव, विचार या बिन्दु को समझना। • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (जैसे–टीवी. इंटरनेट, मोबाइल) परिवेश में उपलब्ध विज्ञापन आदि को पढ़कर समझ	सीखने के प्रतिफल (लर्निंग आउटकम्स) को प्राप्त करने हेतु समय–समय पर पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं परिवेश में उपलब्ध संदर्भ पुस्तकों का उपयोग करें।

		• अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं और अधिक जानकारी के लिए संदर्भ केन्द्रों की सहायता लेते हैं।	पाना। • नए शब्दों को सुनकर उनके अर्थ समझना। • पुस्तकालय से अपनी पसंद की पुस्तके पढ़ना। • पठित सामग्री के आधार पर तर्क सहित अपनी बात कह पाना। • परिवेश में उपलब्ध लिखित सामग्री के प्रति अपनी अभिरुचि उत्पन्न करना।	
3.	लिखना	• भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसे अपने लेखन/ब्रेल में शामिल करते हैं। • स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे–गणित, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नृत्यकला, चिकित्सा आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं। • पाठ्यपुस्तक और उससे इतर सामग्री में आए संवेदनशील बिंदुओं पर लिखित/ब्रेल लिपि में अभिव्यक्ति करते हैं।	• आत्मविश्वास के साथ स्पष्टता से लिखना। • विषय के अनुसार अपने विचारों की लिखित अभिव्यक्ति करना। • परिवेश में उपलब्ध पाठ्यसामग्री के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करना। • पाठ्यसामग्री द्वारा प्रजातांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
4	व्यावहारिक व्याकरण	• भाषा की व्याकरणिक इकाइयों (जैसे–कारक–चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहते हुए लिखते हैं। • विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम चिह्नों, जैसे– पूर्ण–विराम, अल्प–विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं। • उद्देश्य के संदर्भ के अनुसार शब्दों, वाक्यों, विराम–चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए लिखते हैं।	• शब्द–भण्ड़ार में वृद्धि हेतु नए शब्द, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, पर्यायवाची, विलोम शब्द लिंग, वचन, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय आदि की समझ विकसित करना। • विराम–चिह्नों का शुद्ध प्रयोग करना। • कविता, कहानी का सृजन करते हुए आगे बढ़ना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।
5	सृजनात्मक अभिव्यक्ति	• स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं और लेखन के उद्देश्य और पाठक के अनुसार लेखन में बदलाव करते हैं,जैसे–किसी घटना की	• विभिन्न परिस्थितियों/काल्पनिक घटनाओं को अपने शब्दों में लिख पाना। • विभिन्न अवसरों पर कहानी,कविता,स्लोगन लेखन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी रचनात्मक	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।

		जानकारी के बारे में बताने के लिए स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना और किसी दोस्त को पत्र लिखना। • अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं। कविता, कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। • पसंदीदा विधा–डायरी, नाटक, कॉमिक्स, गीत, चुटकले आदि का संकलन करते हैं।	अभिवृत्ति का विकास करना। • विभिन्न जयन्तियों, पर्वों, उत्सवों पर मेरा संकलन करना।	
6	परिवेशीय सजगता	• अपने आस–पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर मौखिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/प्रश्न पूछते हैं। • अपने आस–पास घटने वाली विभिन्न घटनाओं की बारीकियों पर ध्यान देते हुए उन पर लिखित रूप से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। सड़क–सुरक्षा, स्वच्छता आदि के नियमों की जानकारी रखते हैं, पालन करते हैं।	• अपने आस–पास मौजूद घटनाओं के घटनाक्रम को समझना और समझाना। • विद्यालय आते–जाते समय सड़क–सुरक्षा नियमों का पालन करना।	बाल–पत्रिकाओं एवं इंटरनेट के माध्यम से जीवनोपयोगी संदर्भों का उपयोग कर बालकों को प्रेरित करें।

d{kk 1 ,o Veokj]ikB;Øe vk/kkfjr vf/kxe mnn'; टर्म–1			
क्र.स.	अधिगम क्षेत्र	पाठ/इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
1.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	**आरंभिक गतिविधियाँ :** मेरा गाँव बाल गीत हमारा शहर पक्षी एवं जानवर फल सब्जी जानवर हमारा शरीर शरीर के अंग चित्र पठन	**बातचीत, कविताए, जानकारी, कहानी चित्र पठन के माध्यम से** • चित्र के माध्यम से चर्चा व बातचीत कर सकेंगे। • चित्र एवं परिवेश के माध्यम से पक्षियों एवं पालतू जानवरों की पहचान कर सकेंगे। • फल, सब्जी एवं अन्य खाद्य पदार्थों की जानकारी कर सकेंगे। • रेखा–चित्र एवं बुनियादी मोड़ (जैसे–कागज से निर्मित आकृतियॉ) पर अभ्यास कर सकेंगे। • शरीर के अंग एवं स्वच्छता पर बात कर सकेंगे। • अंगूठे के निशान से नए चित्रों का सृजन कर सकेंगे। • चित्रों को देख कर कहानी निर्माण कर सकेंगे। • चित्रों और आकृतियों को देखकर आनन्द की अनुभूति कर सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • दैनिक जीवन से संबंधित सामान्य वार्तालाप कर सकेंगे।
2.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	**पाठ–1** **घ र च ल** **सूरज दादा**	• चित्र के माध्यम से शब्दों को पहचानकर पढ़ सकेंगे। • कविता/बालगीत को लय ,गति और हाव– भाव के साथ तालमेल के साथ सुना सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को स्पष्ट शब्दों में दोहरा सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (घ, र, च, ल) की पहचान कर सकेंगे। • परिचित शब्द व वर्ण को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • बातचीत के माध्यम से क्या, कौन, कब, कैसे वाले प्रश्न पूछ सकेंगे व प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। । • दिये गये अक्षरों व शब्दों पर पेन्सिल घुमा सकेंगे।
3.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	**पाठ–2** **अ ब म न**	• चित्र के माध्यम से शब्दों को पहचानकर पढ़ सकेंगे। • चित्रों को पहचानकर व उनके बारे में बातचीत कर सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों **(अ, ब, म, न)** की पहचान कर सकेंगे। • परिचित वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। । • विभिन्न चित्रों में रंग भर सकेंगे।

4.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ–3 ज ख आ ा	• चित्र के माध्यम से शब्दों को पहचानकर पढ़ सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • चित्रों पर वार्तालाप करते हुए जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (ज ख आ ा) की पहचान कर सकेंगे। • परिचित वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। । • आ की मात्रा की अवधारणा के साथ मात्रा का प्रयोग कर लिख व पढ़ सकेंगे। • संबंधित तुकबंदियों का अनुमान लगा सकेंगे।
5.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ–4 द त इ ि तितली और कली हमारे त्योहार	• चित्र के माध्यम से शब्दों को पहचानकर पढ़ सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (द त इ ि) की पहचान कर सकेंगे। • आ की मात्रा का दोहरान एवं इ ि की मात्रा से परिचित हो सकेंगे। • परिचित वर्णो को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • हमारे त्योहार चित्रों पर चर्चा कर सकेंगे।
6.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ–5 क स ई ी	• चित्र के माध्यम से शब्दों को पहचानकर पढ़ सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (क स ई ी) की पहचान कर सकेंगे। • चित्र की सहायता से कुंजी शब्दों एवं कुंजी वर्णों को पढ़ सकेंगे। • ई, ी की मात्रा से परिचित हो सकेंगे। • आ व ई की मात्रा व नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे।
7.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ–6 व ह ए े	• चित्र के माध्यम से शब्दों को पहचानकर पढ़ सकेंगे। • पूर्व में सीखे गये शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • ए, े की मात्रा से परिचित हो सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (व ह ए े) की पहचान कर सकेंगे। • आ, इ ,ई व ए की मात्रा का प्रयोग कर के शब्दों को लिख व पढ़ सकेंगे। • चित्रों में यथोचित रंग भर सकेंगे। • कहानी व घटना का अनुमानित चित्र बना सकेंगे। • सरल मात्रा वाले शब्दों को बिना देखे लिख सकेंगे।

टर्म–2			
क्र.सं.	• अधिगम क्षेत्र	पाठ/इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
8.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ – 7. थ प ओ ो	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • पूर्व में सीखे गये शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (**थ प ओ ो**) की पहचान कर सकेंगे। • पूर्व परिचित एवं नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • आ, इ, ई ,ए व ओ की मात्रा का प्रयोग करके शब्दों को लिख व पढ़ सकेंगे। • समकालीन मौसम के बारे में चर्चा कर सकेंगे।
9.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ – 8 ग उ य ु	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • पूर्व में सीखे गये शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (ग उ य ु) की पहचान कर सकेंगे। • उ, ु की मात्रा से परिचित हो सकेंगे। • चित्रों / आकृतियों में रंगांकन कर सकेंगे।
10.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ – 9 ट ऊ ध ू	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • पूर्व में सीखे गये शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • पूर्व परिचित एवं नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (**ट ऊ ध ू**) की पहचान कर सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • ऊ, ू की मात्रा से सुपरिचित हो सकेंगे। • दैनिक जीवन से संबंधित बातचीत कर सकेंगे। • चित्रों व आकृतियों में यथानुरूप रंग भर सकेंगे। • मन पसंद पात्र का अभिनय कर सकेंगे। • आ,इ,ई,ए,ओ,उ व ऊ की मात्राओं का प्रयोग करके शब्दों को लिख सकेंगे।
11.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना।	पाठ – 10 श ठ ड ढ	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • पूर्व में सीखे गये शब्दों व वर्णो का दोहरान कर सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (**श ठ ड ढ**) की पहचान कर सकेंगे। • पूर्व परिचित एवं नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे।

	• लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति		• चित्रों में रंग भर सकेंगे। • चित्रों को देखकर स्थानीय बोली के नामों को लिख सकेंगे। • मिट्टी व अन्य वस्तुओं के प्रयोग से खिलौने बना सकेंगे।
12.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	**पाठ – 11** **झ भ ऐ ै**	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • पूर्व में सीखे गए शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (झ भ ऐ ै) की पहचान कर सकेंगे। • पूर्व परिचित एवं नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • ऐ, ै की मात्रा का परिचित हो सकेंगे। • विभिन्न जानवरों की आवाज निकाल सकेंगे। • घरेलु वस्तुओं के नाम लिख सकेंगे।
13.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	**पाठ – 12** **छ फ औ ौ**	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (छ फ औ ौ) की पहचान कर सकेंगे। • पूर्व में सीखे गये शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • पूर्व परिचित एवं नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • **देश की सेवा** कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • औ, ौ की मात्रा से परिचित हो सकेंगे। • सरल शब्दों का श्रुतलेख कर सकेंगे और सीखे गए मात्रायुक्त शब्दों को बिना देखे लिख सकेंगे। • चित्रों व आकृतियों में रंग भर सकेंगे।
14.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	**पाठ –13.** **ण ँ ष अं**	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों **(ण ँ ष अं)** की पहचान कर सकेंगे। • पूर्व में सीखे गये शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • पूर्व परिचित एवं नवीन वर्णों को लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • अनुनासिक व अनुस्वार वाले शब्दों से परिचित हो सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • अं एवं ँ की मात्रा से परिचित हो सकेंगे। • परिचित वर्णों पर पेन्सिल घूमा सकेंगे।

टर्म–3			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
15.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ – 14. **ऋ क्ष त्र ज्ञ**	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचानकर पढ़ सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (**ऋ क्ष त्र ज्ञ**) से परिचित हो सकेंगे। • पूर्व में सीखे गए शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • **ऋ क्ष त्र ज्ञ** के उच्चारण को समझना व लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • चित्रों में रंग भर सकेंगे। • सामान्य वाक्य लिख सकेंगे। • जटिल संरचना वाले वर्णों को लिखने का प्रयास कर सकेंगे।
16.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ –15. **ङ ञ ड़ ढ़ अः**	• चित्र के माध्यम से नये शब्दों को पहचान कर पढ़ सकेंगे। • संबंधित शब्दों के वर्णों (**ङ ञ ड़ ढ़ अः**) से परिचित हो सकेंगे। • **ङ ञ ड़ ढ़ अः** के उच्चारण को समझना व लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • पूर्व में सीखे गए शब्दों व वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • सम्पूर्ण वर्णमाला को समेकित कर क्रमानुसार लिख सकेंगे। • **इंदर राजा पाणी दो** कविता को हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे एवं मौखिक रूप से वर्षा के बारे में बातचीत कर सकेंगे। • स्थानीय भाषा के शब्दों को पहचान कर लिख सकेंगे। • शब्दों की संरचना पर अपनी राय व्यक्त कर सकेगे। • पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • सीखे गए वर्णों का दोहरान कर सकेंगे। • ङ, ञ, ड़, ढ़, अः नवीन वर्णों का परिचय कर इनके उच्चारण को समझकर लिखने का अभ्यास कर सकेंगे। • चित्रों को देखकर अनुकरण कर चित्र बना सकेंगे। • मिट्टी व अन्य वस्तुओं के प्रयोग से खिलौने व अन्य वस्तुएँ बना सकेंगे।
17	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ–16. **शाकालाका बुम–बुम**	• पाठ में आए चित्रों पर बातचीत कर सकेंगे। • कविता की पंक्तियों को सुनकर हाव–भाव के साथ दोहरा सकेंगे। • चित्रों में उचित रंगों का संयोजन कर सकेंगे। • कविता से संबंधित मौखिक प्रश्नोत्तर कर सकेंगे। • कहानी / घटना का अभिनय कर सकेंगे।

d{kk 2 ,o Veokj]ikB;Øe vk/kkfjr vf/kxe mnn';			
टर्म–1			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ/इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
1	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 1 हमारी चाह (कविता)	• पुनरावृत्ति कार्य कर सकेंगे। • कविता को पढ़कर आनंद ले सकेंगे और समूह में बोल सकेंगे। • कविता को पढ़कर पाठ में दिए गए प्रश्नों के उत्तर ढूँढ सकेंगे। • शब्दों व चित्रों के मध्य सहसम्बन्ध स्थापित कर सकेंगे। • कविता को याद कर कक्षा–कक्ष में सुनाने का अभ्यास कर सकेंगे। • ध्वनि के आधार पर नवीन शब्दों को पहचानकर सृजन कर सकेंगे। • नवीन शब्दों के अर्थ जान सकेंगे। • पढ़कर समझना व उसका आवश्यकतानुसार अनुप्रयोग कर सकेंगे। • अनुभव के आधार पर लेखन कर सकेंगे। • चित्रांकन कर सकेंगे व रंग भर सकेंगे।
2	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 2 खट्टे अंगूर (कहानी)	• कहानी को स्वयं पढ़ते हुए समझकर समूह में व्यक्त कर सकेंगे। • अनुस्वार और अनुनासिक ध्वनि वाले शब्दों की पहचान कर बोलने का अभ्यास कर सकेंगे। • कहानी को कल्पना के आधार पर आगे बढ़ाकर चर्चा कर सकेंगे। • पाठ में आए चित्रों पर अपनी पसंद के रंगों का संयोजन कर सकेंगे। • विषयवस्तु के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • विषयवस्तु के अनुसार मुखौटे तैयार कर सकेंगे। • विषयवस्तु के आधार पर पक्षियों और जानवरों के मुखौटे बनाकर कहानी का रोल प्ले कर सकेंगे। • एक और अनेक की पहचान कर सकेंगे।
3	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 3 छोटे से बड़े (कविता)	• कविता को सुनकर आनंद ले सकेंगे और लय व ताल के साथ सुना सकेंगे। • पाठ में आए योजक चिह्नों से मिलकर बड़े शब्दों को पहचान कर उनके अर्थ को समझ सकेंगे। जैसे– हरा–भरा, उछल–कूद। • विषयवस्तु के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • नवीनशब्दों के अर्थ जान सकेंगे। • चुटकुलों आदि को पढ़कर आनंद ले सकेंगे।

			• विषयवस्तु से संबंधित बिन्दुओं पर लेखन कर सकेंगे। • विषयवस्तु में आये शब्दों को परिवेश से जोड़ते हुए चर्चा कर सकेंगे।
4	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 4 मेघा पानी दे (कविता)	• कविता को सुनकर आनंद ले सकेंगे। स्वयं लय ताल एवं हावभाव के साथ पढ़कर सुना सकेंगे। • विषयवस्तु आधारित प्रश्नों के उत्तर पूर्वावलोकन व अपने अनुभव के आधार पर समझकर लिख सकेंगे। • कविता के अभ्यास में आये मौसम के चित्रों पर चर्चा कर समझ बना सकेंगे। • नवीन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • बारिश/पानी की महत्ता को समझते हुए 5–5 वाक्य बता सकेंगे। • छोटे प्रश्नों के उत्तर स्वयं खोजकर लिख सकेंगे।
5	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 5 स्नान (वार्तालाप)	• जल के महत्व को जानकर जल प्राप्ति के साधन पर बात कर सकेंगे। • जल के विविध उपयोग के बारे में चर्चा कर सकेंगे। • नित्य स्नान आदि कार्य में जल के मितव्ययता से उपयोग पर चर्चा कर सकेंगे। • जल के विविध स्थानों के बारे में बता सकेंगे। • शुद्ध पेयजल की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे एवं बता सकेंगे।
6	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 6 तिरंगा (कविता)	• कविता को सुनकर आनंद ले सकेंगे और स्वयं पढ़कर सुना सकेंगे। • बच्चों में राष्ट्रप्रेम के भाव जागृत कर सकेंगे। • राष्ट्रीय पर्वों की महत्ता के बारे में चर्चा कर सकेंगे। • राष्ट्रीय प्रतीकों को पहचान सकेंगे। • नवीन शब्दों को जानकर वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • संयुक्ताक्षर एवं संयुक्त व्यंजनों के उच्चारण को समझकर लेखन–पठन में उनका उपयोग कर सकेंगे। • ध्वजारोहण क्यों और कैसे पर वार्तालाप कर सकेंगे। • ध्वज के विभिन्न रंगो एवं अशोक चक्र के महत्व को समझकर लिख सकेंगे। • राष्ट्र ध्वज एवं राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान के भाव रख सकेंगे। • अनुपयोगी वस्तुओं से खिलौने आदि बना सकेंगे।

7	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 7 रक्षाबन्धन (निबन्ध)	• बच्चों से विभिन्न त्योहारों पर चर्चा कर सकेंगे। • राष्ट्रीय पर्व एवं सामाजिक त्योहारों में अंतर को समझ सकेंगे। • रक्षाबंधन पर निबंध लिख सकेंगे। • राखी बनाना और उसको बनाने की प्रक्रिया को बता सकेंगे। • त्योहारों के महत्व के बारे में बता सकेंगे। • प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से दे सकेंगे। • लिंग व वचन की अवधारणा को समझ सकेंगे।

टर्म–2			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
8	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 8 शीला का साहस (कहानी)	• कहानी को स्वयं पढ़ते हुए समझकर समूह में व्यक्त कर सकेंगे। • चित्रों पर चर्चा कर सकेंगे। • बच्चों को अपने घर से विद्यालय तक आने वाले मार्ग के बारे में जान सकेंगे। • मार्ग में आने वाले नदी–नालों के बारे में जान सकेंगे। • नदी–नालों को पार करते समय की सावधानियों को जान सकेंगे। • दूसरों की सहायता करने की भावना को समझ सकेंगे। • बच्चों में साहस व उत्तरदायित्व की भावना विकसित कर सकेंगे। • बच्चें अपने–अपने अनुभवों को साझा कर सकेंगे। • विपरीत अर्थ वाले शब्दों को समझकर वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • सुलेख एवं स्वयं लेखन कर सकेंगे। • सड़क पर चलते समय सामान्य नियमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
9	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 9 सूरज का रूमाल (कहानी)	• विविध मौसम की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • समूह में चर्चा कर सकेंगे। • वर्षा के बारे में अन्य सामग्री खोजकर पढ़ सकेंगे। • वर्षा के मौसम में सावधानियों के बारें में जान सकेंगे। • विविध प्रकार के फूलों के बारें में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • विभिन्न परिधानों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • वर्षा के मौसम में होने वाले विभिन्न रोगों से अवगत हो सकेंगे। • वर्षा से संबंधित गीतों का संकलन कर सकेंगे। • धरातल की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • इन्द्रधनुष में बारे में जान सकेंगे।
10	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना।	पाठ 10 रेल का खेल (कविता)	• कविता को सुनकर आनंद ले सकेंगे और स्वयं पढ़कर सुना सकेंगे। • कविता को लय और ताल से आनंददायी वातावरण ही अनुभूति कर सकेंगे। • कविता को स्वयं पढ़ते हुए समझकर समूह में व्यक्त कर सकेंगे।

	• लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति		• समान लय वाले शब्दों को खोज, पढ़ और लिख सकेंगे। • यातायात के विभिन्न साधनों के बारे मे जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • खेल–खेल में रेल के महत्व को समझ सकेंगे। • 'र' के विविध प्रयोगों को समझ सकेंगे। • रेल्वे स्टेशन और विभिन्न सिग्नलों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • चित्रांकन एवं रंगांकन कर सकेंगे।
11	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 11 शेर और चूहा (कहानी)	• कहानी सुनाकर आनंददायी वातावरण की अनुभूति कर सकेंगे। • विभिन्न जंगली जानवरों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • जीव जंतुओं के निवास, भोजन आदि के बारे में जान सकेंगे। • समूह में से अलग की पहचान कर सकेंगे। • जानवरों के मुखौटे बनाने की प्रक्रिया को सीख सकेंगे और कहानी के आधार पर अभिनय कर सकेंगे।
12	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 12 बबलू बदल गया (कहानी)	• कहानी को पढ़कर आनंद लेते हुए समझकर समूह में व्यक्त कर सकेंगे। • नये शब्दों के अर्थ समझकर अपनी भाषा में प्रयोग कर सकेंगे। • घटनाओं को क्रम से समझकर लिख सकेंगे। • मुखौटे बनाकर कहानी को अभिनय के रूप में कर सकेंगे। • दो वाक्यों के मध्य अव्यय शब्द के प्रयोग को समझ सकेंगे। जैसे – और/तथा... आदि।
13	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 13 चतुर चिड़िया (कहानी)	• कहानी को पढ़कर उसमें क्या बात कही जा रही है, उसको समझ सकेंगे। • परिवेशीय जानकारी के आधार पर जवाब दे सकेंगे। • पाठ में आये नवीन शब्दों के अर्थ को समझकर उनका अनुप्रयोग कर सकेंगे। • विषयवस्तु को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे और अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकेंगे। • आपकाज–महाकाज की जानकारी दे सकेंगे। • स्वयं कार्य करने के लिए प्रेरित हो सकेंगे।

z

टर्म–3			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
14	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 14 चार चने (कविता)	• कविता को हाव भाव और लयबद्ध रूप में गा सकेंगे। • कविता को स्वयं पढ़ सकेंगे। • नवीन शब्दों के अर्थों को समझकर उनका अनुप्रयोग कर सकेंगे। • मुद्रा की पहचान कर उसके महत्त्व को समझ सकेंगे। • जीव–जंतुओं के बारे में चर्चा कर सकेंगे। • जीव–जंतुओं की आवाजें निकालकर अभिनय कर सकेंगे। • चित्रांकन एवं रंगांकन कर सकेंगे।
15	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 15 सपना सच हो गया (कहानी)	• कहानी को पढ़कर एवं समझकर समूह में सुना सकेंगे। • विषयवस्तु को समझकर प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे। • सामूहिक चर्चा में तर्क के साथ अपनी बात रख सकेंगे तथा घटना के साथ स्वयं को जोड़ते हुए अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे। • पर्यावरण से संबंधित जीव–जन्तुओं के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे। • नवीन शब्दों की जानकारी प्राप्त कर उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर खोजकर लिख सकेंगे।
16	• सुनकर समझना और समझकर बोलना। • पढ़ना और पढ़कर समझना। • लिखना • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ 16 चाँद का कुर्ता (कविता)	• कविता को सुनकर आनंद ले सकेंगे और स्वयं पढ़कर सुना सकेंगे। • नवीन शब्दों के अर्थों को समझकर उनका अनुप्रयोग कर सकेंगे। • चन्द्रमा की कलाओं के बारें में विस्तार से जान सकेंगे। • विविध प्रकार के प्रश्नों के उत्तरों को स्वयं खोजकर लिख सकेंगे। • चन्द्रमा की विभिन्न स्थितियों का चित्रांकन कर सकेंगे। • चन्द्रमा से संबंधित अनुभवों को समूह में सुना सकेंगे। • आकाशीय पिण्डों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

d{kk 3 ,o Ve`okj]ikB;Øe vk/kkfjr vf/kxe mn~ns'; टर्म–1			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
1	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ –1 देश की माटी (कविता)	• कविता का हावभाव के साथ सरस पाठ कर सकेंगे। • अपने अनुभवों को साझा कर सकेंगे। • कविता को समझकर व अर्थ के साथ सह–संबंध कर सकेंगे। • कल्पना करते हुए प्रश्नों के उत्तर लिखकर अपने विचारों की अभिव्यक्ति कर सकेंगे। • शब्दों के अन्त की ध्वनि के आधार पर नये शब्द बना सकेंगे। • भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन – विविध आधारों पर वर्गीकरण कर सकेंगे। • शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्दों की जानकारी कर सकेंगे।
2	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–2 मीठे बोल (लोककथा)	• पढ़ने की रूचि जाग्रत कर सकेंगे व धाराप्रवाह के साथ वाचन कर सकेंगे। • पढ़कर कहानी को अपने शब्दों में सुना सकेंगे। • कहानी के कथन संवाद पर पूछे गये प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दे सकेंगे। • समान भाव की कहानी सुनाने का प्रयास कर सकेंगे। • पूर्व ज्ञान के आधार पर विभिन्न जानवरों के नाम लिख सकेंगे। • 'र' वर्णों के हलन्त रूप को समझकर व लिख सकेंगे।
3	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–3 शिष्टाचार (निबन्ध)	• निबन्ध को पढ़कर शिष्टाचार संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • अपने आपको शिष्टाचार के अनुरूप ढाल सकेंगे। • शिष्ट आचरण का महत्त्व समझ सकेंगे। • पाठ को पढ़कर परिवेश में शिष्ट आचरणीय वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।
4	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	पाठ–4 समय सुबह का (कविता)	• कविता का धाराप्रवाह, सरस, आरोह–अवरोह सहित पाठ कर सकेंगे। • कविता में प्रयुक्त नवीन शब्दों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • नित्य–कर्म, शारीरिक–स्वच्छता के प्रति सजग हो सकेंगे। • विभिन्न जानवरों की बोली की जानकारी कर सकेंगे। • अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझकर उनका उच्चारण कर सकेंगे। • विभिन्न पुष्पों के रंगों की जानकारी कर सकेंगे।

	• परिवेशीय सजगता		• श,ष,स, ह का प्रयोग कर सकेंगे।
5	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–5 आओ खेलें खेल (निबंध)	• गद्य की विषयवस्तु का धारा प्रवाह वाचन कर सकेंगे। • खेलों के प्रति रूचि जागृत कर सकेंगे। • विभिन्न खेलों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • खेल के माध्यम से आपसी प्रेम की भावना जागृत कर सकेंगे। • आपसी सहयोग, अनुशासन, सद्भावना, धैर्य, साहस आदि गुणों का विकास कर सकेंगे। • अद्र्ध वर्णों का उच्चारण कर सकेंगे। • सर्वनाम शब्दों की जानकारी कर सकेंगे। • क्रिया रूप की जानकारी कर सकेंगे। • पर्यायवाची शब्दों को समझकर प्रयोग कर सकेंगे। • मनपसंद चित्र बनाकर रंग भर सकेंगे।
6	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–6 आदमी का धर्म (संवाद पाठ)	• विभिन्न पात्रों के अनुरूप अपने आप को उपस्थित रख कर संवाद कर सकेंगे। • प्रमुख शब्दों के विपरीत अर्थ की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • क्रिया के विविध रूपों की समझ बना सकेंगे।
7	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–7 कलाकार का असंतोष (कहानी)	• गद्य पाठ का धाराप्रवाह वाचन कर सकेंगे। • नवीन शब्दों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • कला के प्रति रुचि जागृत कर सकेंगे। • लगन एवं मेहनत से कार्य करने हेतु प्रेरित कर सकेंगे। • एक से अनेक, एक वचन से बहुवचन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • कागज की लुगदी से विविध सामग्री का निर्माण कर सकेंगे।

टर्म–2			
क्र.स	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
8	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–8 गीत यहाँ खुशहाली के (कविता)	• कविता का सरस पाठ कर सकेंगे। • कविता में प्रयुक्त कठिन शब्दों के अर्थ जान सकेंगे। • ग्रामीण परिवेश की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • खेत–खलिहान, उत्सवों, त्योहारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • वचन को समझ कर स्वयं के स्तर पर शब्दों का निर्माण कर सकेंगे।
9	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–9 मैं सड़क हूँ (आत्मकथा)	• गद्य पाठ का धारा प्रवाह के साथ वाचन कर सकेंगे। • पाठ में प्रयुक्त नवीन शब्दों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • सड़क के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • सड़क सुरक्षा व सड़क पर चलने के संकेतों एवं नियमों की जानकारी कर सकेंगे। • सड़क के आसपास के वातावरण, पर्यावरण की जानकारी कर सकेंगे। • पाठ के माध्यम से अर्द्ध–विराम व पूर्ण–विराम की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • विशेषण के बारे में जान सकेंगे। • स्वयं के स्तर पर आत्मकथा लिखने का प्रयास कर सकेंगे।
10	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–10 काठ की पुतलीः नाचे, गाएँ (संवाद–पाठ)	• नवीन शब्दों से परिचय कर सकेंगे। • एकांकी के मंचन का प्रयास कर सकेंगे। • विभिन्न पात्रों का अभिनय एवं कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • मूल शब्द में शब्दांश जोड़कर नये शब्द बना सकेंगे। • कठपुतली संग्रहालय के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

11	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–11 अपना देश (कविता)	• कविता को आरोह–अवरोह लय सहित सस्वर वाचन कर सकेंगे। • कविता में प्रयुक्त नवीन,कठिन शब्दों को जानकर उच्चारण कर सकेंगे। • भारत देश की विभिन्न विशेषताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • भारत देश की पहचान की जानकारी कर सकेंगे। • व्यावहारिक व्याकरण के माध्यम से एक शब्द के अनेक अर्थ जान सकेंगे। • देश प्रेम की अन्य कविताओं का संग्रह कर सकेंगे। • संवाद को कहानी के रुप में रूपान्तरित कर सकेंगे। • 'र' में लगी उ,ऊ की मात्रा को समझ सकेंगे।
12	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–12 साहसी बालिका (कहानी)	• पाठ का धाराप्रवाह, आरोह–अवरोह युक्त वाचन कर सकेंगे। • पाठ में प्रयुक्त नवीन शब्दों की जानकारी कर सकेंगे। • देश की आजादी हेतु किए गए प्रयास की जानकारी कर सकेंगे। • बालिकाओं के साहस की कहानियाँ सुना सकेंगे। • अनुस्वार एवं अनुनासिक शब्दों को समझकर अपनी बोली एवं लेखन में प्रयुक्त कर सकेंगे। • पुस्तकालय में अन्य प्रकार की कहानियों को पढ़ सकेंगे। • दर्शनीय स्थलों के चित्रों का संकलन कर कक्षा में प्रदर्शित कर सकेंगे।
13	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–13 अजमेर की यात्रा (यात्रावृतांत)	• यात्रा वृतांत का आनन्द–दायक रूप से आरोह–अवरोह युक्त वाचन कर सकेंगे। • अजमेर के विभिन्न स्थानों की जानकारी एकत्रित कर सकेंगे। • स्वयं की यात्रा को लिखकर अभिव्यक्त कर सकेंगे। • ऐतिहासिक, धार्मिक स्थानों के बारे में जान सकेंगे। • धार्मिक परम्पराओं पर अपनी राय दे सकेंगे।
14	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–14 अब तक बहुत बह चुका पानी (कविता)	• नवीन शब्दों की जानकारी कर उनका अनुप्रयोग कर सकेंगे। • कविता का संवादात्मक अभिनय कर सकेंगे। • पारम्परिक कहानी का कविता के मूल भाव से तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे। • गलतियों से सीखकर काम करने की समझ बना सकेंगे। • कल्पनाशक्ति का विकास कर सकेंगे।

टर्म–3			
क्र.स	अधिगम क्षेत्र	पाठ/इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
15	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–15 अटल ध्रुव (कहानी)	• कहानी का प्रवाह के साथ पठन कर सकेंगे। • पाठ में आए नवीन शब्दों की जानकारी कर सकेंगे। • अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित कर सकेंगे। • अन्य ऐतिहासिक कहानियों को समूह में सुना सकेंगे।
	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	**पुनरावृति कार्य**	• अर्जित ज्ञान का सुदृढ़ीकरण एवं स्मृति विकसित कर सकेंगे। • पाठ्यवस्तु को पढ़कर समझ सकेंगे। • अर्जित ज्ञान के आधार पर सजृनात्मक कार्य करना। • पूछे गए प्रश्नों के उत्तर समझ के साथ दे सकेंगे। • संज्ञा, सर्वनाम व क्रिया शब्दों का प्रयोग कर वाक्य सृजन कर सकेंगे।

d{kk 4 ,o Veokj]ikB;Øe vk/kkfjr vf/kxe mnn';			
टर्म–1			
क्र.स	अधिगम क्षेत्र	पाठ/इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
1.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	1.सुख धाम (कविता)	• कविता को हाव–भाव व उतार–चढ़ाव के साथ गा सकेंगे, बोल सकेंगे, सुना सकेंगे। • नवीन शब्दों के अर्थ को ग्रहण कर सकेंगे और अपनी भाषा में उनका इस्तेमाल कर सकेंगे। • विषय वस्तु को समझते हुए उस पर अपने विचार लिख सकेंगे। • परिवेशीय वस्तुओं के साथ सह–संबंध जोड़ सकेंगे। • समूह चर्चा में अपनी बात को रख सकेंगे व दूसरे की बात को सुन सकेंगे। • शब्दों के अलग–अलग अर्थ को समझ सकेंगे एवं उचित संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर सकेंगे। • संबंधित विषयवस्तु पर प्रश्न बना सकेंगे व पूछ सकेंगे। • विशेषण शब्दों को लगाकर नये शब्दों का निर्माण कर सकेंगे।
2.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	2. बुद्धिमान खरगोश (कहानी)	• कहानी को पढ़कर आनंद ले सकेंगे एवं स्वयं के अनुभवों से जोड़ सकेंगे। • परिचित लोगों से बातचित कर सूचना एकत्र कर सकेंगे एवं समूह में बता सकेंगे। • पढ़कर समझना एवं पढ़े हुए के भाव संक्षिप्त रूप में अपनी भाषा में समूह में सुना सकेंगे। • विषयवस्तु का संक्षिप्तीकरण कर सकेंगे। • विभिन्न प्रकार के मुखौटे बना सकेंगे एवं मुखौटों के अनुसार अभिनय कर सकेंगे। • संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को समझकर नये संयुक्ताक्षर युक्त शब्द बना सकेंगे। • वाक्य में प्रयुक्त क्रिया शब्द एवं सर्वनाम शब्द को पहचान कर अलग कर सकेंगे।
3.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	3. झीलों की नगरी (डायरी)	• डायरी विधा से परिचित हो सकेंगे एवं पढ़कर समझ सकेंगे। • नवीन शब्दों से परिचित हो सकेंगे एवं शब्द भण्डार को बढ़ा सकेंगे। • विषयवस्तु के अनुसार अपनी बात को समूह में रख सकेंगे। • लिंग की अवधारणा को समझ सकेंगे और संदर्भ के आधार पर प्रयोग कर सकेंगे। • क्षैत्रीय भाषा को मानक भाषा में प्रयोग करते हुए संस्कृति के प्रति संवेदनशील हो सकेंगे। • नगर दर्शन के वर्णन को पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकेंगे और स्वयं लिखने का प्रयास कर सकेंगे।

4.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	4. पेड़ (कविता)	• पेड़ की उपयोगिता के बारे में पढ़कर समझ बना सकेंगे। • कविता को उचित हाव–भाव के साथ पढ़ सकेंगे व उसके भाव को समझकर व्यक्त कर सकेंगे। • कविता की अधूरी पंक्तियों को पूरा कर सकेंगे। • आधे वर्ण की अवधारणा को समझते हुए अनुप्रयोग कर सकेंगे। • विलोम शब्दों पर अपनी समझ बना सकेंगे एवं लेखन–पठन में प्रयोग कर सकेंगे। • समूह में अपनी राय दे सकेंगे।
5.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	5. दशहरा (निबन्ध)	• निबंध विधा की अवधारणा को समझ सकेंगे। • बहुभाषिक और बहुसांस्कृतिक संदर्भ से जुड़ सकेंगे एवं नवीन जानकारी ले सकेंगे। • त्योहार, उत्सव और मेलों के महत्व को समझ सकेंगे। • प्रमुख त्योहार एवं तिथियों को सूचीबद्ध कर सकेंगे। • उपसर्ग, प्रत्यय एवं लिंग को समझ सकेंगे एवं अपनी अभिव्यक्ति में अनुप्रयोग कर सकेंगे। • पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • अपने परिक्षेत्र में लगने वाले मेलों के बारे में अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
6.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	6. हमें जलाशय लगते प्यारे (कविता)	• कविता को पढ़कर सुना सकेंगे एवं उसमें आनंद ले सकेंगे। • नए शब्दों को समझ सकेंगे एवं अपने शब्दकोश को बढ़ा सकेंगे। • योजक चिह्न को समझ सकेंगे एवं संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर सकेंगे। • जल एवं जलाशय के महत्व को समझ सकेंगे। • अपने आस–पास के जलाशयों के बारे में जानकारी एकत्रित कर सकेंगे। • समझ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • अपने परिवेश के प्रति सहज एवं सजग रह सकेंगे,खोजकर अपनी राय व्यक्त कर सकेंगे।

7.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	7. वीर बालक अभिमन्यु (कहानी)	• कहानी को उचित प्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे एवं वर्तमान परिस्थितियों के साथ तुलना कर सकेंगे। • साहस एवं वीरता के अर्थ एवं भाव को समझ सकेंगे। • प्रेरक प्रसंग चुन सकेंगे, कक्षा एवं प्रार्थना सभा में सुना सकेंगे। • संज्ञा शब्द एवं उनके भेद को जानकर,समझकर उनका लेखन में उचित प्रयोग कर सकेंगे। • कहानी का सार अपने शब्दों में कह, लिख सकेंगे। • बदलते हुए शब्द का वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।

टर्म–2			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
8	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	8. आज मेरी छुट्टी है (वार्तालाप)	• नाटक विधा से परिचित हो सकेंगे तथा संवादों को उचित उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर एवं बोलकर सीख सकेंगे। • पाठ से संदर्भित प्रश्नों के उत्तर खोजकर स्वयं लिख सकेंगे एवं संदर्भित अन्य प्रश्नों के उत्तर तर्क सहित लिख सकेंगे। • नये शब्दों का अर्थ ग्रहण कर संदर्भ से समझकर उनका उपयोग कर सकेंगे। • 'र' के विभिन्न स्थानों पर हुए प्रयोग को समझ सकेंगे। • विराम चिह्नों, पर्यायवाची शब्दों को समझ सकेंगे एवं उनका सही प्रयोग कर सकेंगे। • वर्ग पहेली से नए शब्द ढूँढ कर लिख सकेंगे। • इन्द्रधनुष के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे। • चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन कर सकेंगे। • किसी विषयवस्तु के आधार पर अपने शब्दों में लेखन कर सकेंगे।
9.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	9. खेजड़ी (कविता)	• नवीन शब्दों की जानकारी कर उन्हें प्रयोग में ला सकेंगे। • मानक भाषा एवं परिवेशीय बोली के मध्य सह–संबंध बना सकेंगे। • विषयवस्तु की समझ के आधार पर उपयुक्त शब्दों का चुनाव कर सकेंगे। • अनुस्वार व अनुनासिक बिन्दु को पहचानकर उनका प्रयोग कर सकेंगे। • संज्ञा और प्रत्यय पर समझ बना सकेंगे। • राजस्थान के राज्य वृक्ष, राज्य फूल, राज्य पक्षी, राज्य पशु के बारे में जानकारी का संग्रहण कर सकेंगे। • कविता को लय, ताल, हाव भाव के साथ बोल व पढ़ सकेंगे। • कविता में निहित मूल भाव को समझ सकेंगे। • पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बन सकेंगे।
10.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति	10. कूड़ेदान की कहानी,अपनी जुबानी (आत्मकथा)	• साहित्य की नई विधा से परिचित हो सकेंगे एवं पढ़कर समझ सकेंगे। • नये शब्दों का अर्थ ग्रहण कर संदर्भ से समझ सकेंगे और उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठ को पढ़कर नई समझ के आधार पर विविध प्रश्नों के जवाब कारण सहित दे सकेंगे। • पर्यायवाची शब्द, सर्वनाम शब्द एवं विशेषण शब्दों को समझ के साथ प्रयोग में ला सकेंगे। • चित्र पठन कर सही संदेश समझ कर दूसरों तक पहुँचा सकेंगे। • किसी घटना, संदर्भ, विवरण एवं विषयवस्तु पर वाक्य लेखन कर सकेंगे। • अनुपयोगी सामग्री से चीजें बनाना सीख सकेंगे।

	• परिवेशीय सजगता		• आसपास मौजूद हालातों के बारें में अपने विचार दे सकेंगे।
11.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	11. मेरे गाँव के खेत में (कविता)	• कविता को भाव के साथ धाराप्रवाह की गति के साथ पढ़ना एवं उसके भाव को समझ सकेंगे। • पढ़ी गई कविता के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • समानार्थी शब्दों को समझकर उनके लेखन में प्रयोग कर सकेंगे। • विभिन्न फसलों, बीजों, खेती में प्रयुक्त संसाधनों का संग्रहण कर सकेंगे। • ग्रामीण परिवेश के हालातों का वर्णन कर उन पर अपनी राय व्यक्त कर सकेंगे।
12.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • 5.सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	12. गोडावण (आत्मकथा)	• नई विधा (आत्मकथा) को समझ सकेंगे। • विभिन्न लोगों द्वारा लिखी आत्मकथा को पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। • स्वयं आत्मकथा लिखने का प्रयास कर सकेंगे। • पढ़कर समझते हुए अपनी बात को व्यक्त कर सकेंगे। • 'र' के विभिन्न रूप व ध्वनि को समझकर उसका प्रयोग कर सकेंगे। • विभिन्न रूपों का अपने लेखन व पठन में सहजता के साथ प्रयोग कर सकेंगे। • खोजबीन करना, सृजनात्मक अभिव्यक्ति करना एवं चीजों को संग्रहित कर सकेंगे।
13.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	13. गुरु भक्त कालीबाई (कहानी)	• क्रिया रूप एवं संधि शब्दों को समझकर एवं सदंर्भ अनुसार उचित प्रयोग कर सकेंगे। • आसपास के हालातों में घटित अत्याचार युक्त घटनाओं पर अपनी राय विकसित कर सकेंगे। • विषयवस्तु से संबंधित प्रश्नों के तर्कपूर्ण उत्तर दे सकेंगें। • कहानी का सार व संक्षिप्तीकरण लिख सकेंगे। • कहानी के आधार पर अपने अनुभवों को साझा कर सकेंगे एवं लिख सकेंगे। • मुहावरों के अर्थ को समझकर संदर्भों में उपयोग कर सकेंगे। • क्रिया शब्दों का उपयोग करते हुए नए वाक्य लिख सकेंगे।

टर्म–3			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
14.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	14. निराला राजस्थान (कविता)	• कविता को धाराप्रवाह गति से पढ़कर व समझकर कविता के भाव बता सकेंगे। • राजस्थान की विशेषता एवं सांस्कृतिक वैभव से परिचित हो सकेंगे। • राजस्थान के महापुरुषों के योगदान, स्वामी भक्ति, वीरता एवं त्याग के भाव तथा चम्बल के तीर्थों की महिमा से परिचय राष्ट्र वैभव के भाव विकसित कर सकेंगे। • राजस्थान के महापुरुषों से संबंधित प्रेरक प्रसंग संकलन कर सकेंगे। • अद्र्ध वर्ण की समझ विकसित कर सकेंगे। • कविता में आए कठिन शब्दों का अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
15.	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	15. कुरज री विनती (कहानी)	• पढ़कर आनंद ले सकेंगे और अपने परिवेश से संबंधित लोक कथाओं को जानने के प्रति उत्सुक हो सकेंगे। • नये शब्दों से परिचित होकर शब्दों का इस्तेमाल अपनी भाषा में कर सकेंगे। • परिवेशीय, क्षैत्रीय शब्दों को मानक भाषा में प्रयोग कर समझ सकेंगे। • विषयवस्तु समझ कर उसके संक्षिप्त रूप को प्रस्तुत कर संदर्भ के अनुसार अनुमान लगा सकेंगे एवं अपने विचारों को मूर्त रूप दे सकेंगे। • प्रश्नों को समझकर समस्या का समाधान ढूँढ सकेंगे। • संदर्भ के आगे व पीछे की बात को समझ सकेंगे। • परिवेशीय सजगता के साथ संवेदनशीलता के भाव को विकसित कर सकेंगे। • मुहावरों, विशेषण एवं वचन शब्दों को समझ के साथ प्रयोग कर सकेंगे। • विराम चिह्नों की अवधारणा पर समझ बना सकेंगे एवं लिखने व पढने में प्रयोग कर सकेंगे। • स्थानीय लोक गीतों में पक्षियों वाले गीतों को खोजना एवं संबंधित पक्षी पर लिखें गीतों को गाना और संकलन करना सीख सकेंगे। • स्थानीय वस्तुओं से पंसद के खिलौने बनाने की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	**पुनरावृति कार्य**	• अर्जित ज्ञान का सुदृढ़ीकरण एवं स्मृति विकसित कर सकेंगे। • पाठ्यवस्तु को पढ़कर समझ सकेंगे। • अर्जित ज्ञान के आधार पर सजृनात्मक कार्य करना। • पूछे गए प्रश्नों के उत्तर समझ के साथ दे सकेंगे। • संज्ञा, सर्वनाम व क्रिया शब्दों का प्रयोग कर वाक्य सृजन कर सकेंगे।

d{kk 5 ,o Veokj]ikB;Øe vk/kkfjr vf/kxe mnn'; टर्म–1			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
1	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ –1 हम भारत के भरत (कविता)	• कविता को पढ़कर समझ सकेंगे एवं हाव–भाव के साथ व्यक्त कर सकेंगे। • पठित कविता के आधार पर अनुभव को शामिल करते हुए अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे। • अनुनासिक एवं अनुस्वार युक्त शब्दों में अन्तर कर सकेंगे। • देशभक्ति के भावों से ओत–प्रोत अन्य कविताओं का संकलन कर सकेंगे। • अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को व्यक्त कर सकेंगे। • एकवचन शब्दों के बहुवचन शब्द बना सकेंगे। • स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग शब्दों की पहचान कर सकेंगे। • ऐतिहासिक स्थल, महापुरुष, घटना को पहचान कर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे। • कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
2	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–2 मेहनत की कमाई (कहानी)	• कहानी को धाराप्रवाह गति के साथ पढ़कर समझ सकेंगे। • कहानी से अपने अनुभव को जोड़कर बता सकेंगे। • कहानी को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे। • विषयवस्तु के अनुसार कहानी लिख सकेंगे। • कहानी में दिए गए शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द बता सकेंगे। • शब्दों का सार्थक वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • चित्रों के माध्यम से वाक्यों का क्रमवार सृजन कर सकेंगे।
3	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–3 अपनी वस्तु (कहानी)	• कहानी को पढ़कर, समझकर समूह में सुना सकेंगे। • कहानियों को पढ़ने के प्रति उत्साह और पहल दिखा सकेंगे। • कहानी से अपने अनुभव को जोड़कर बता सकेंगे। • कहानी को धाराप्रवाह गति के साथ पढ़ सकेंगे। • चित्रों के माध्यम से वाक्यों का क्रमवार प्रयोग कर सकेंगे। • कहानी का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • उद्धरण वाक्यों को समझकर उन्हें सरल वाक्यों में बदल सकेंगे।

4	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–4 त्योहारों का देश (कविता)	• कविता को सुनकर आनन्द ले सकेंगे। • कविता को पढ़कर, समझकर उसके भाव व्यक्त कर सकेंगे। • भारत के विभिन्न त्योहारों को जानकर उनकी सूची बना सकेंगे। • त्योहार तथा उससे संबंधित गीतों का संकलन कर सकेंगे। • पढ़ी गई विषय वस्तु के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख सकेंगे। • त्योहार/पर्व/उत्सव/कार्यक्रमों से संबंधित चित्र बना सकेंगे।
5	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–5 अनोखी सूझ (कहानी)	• कहानी को पढ़कर एवं समझ बनाकर उसे समूह में सुना सकेंगे। • कहानियों को पढ़ने के प्रति उत्साह और पहल दिखा सकेंगे। • नये शब्द समझकर उसका अपने लेखन में प्रयोग कर सकेंगे। • विभिन्न मुहावरों का अर्थ समझकर संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर सकेंगे। • कहानी का सार अपने शब्दों में बता सकेंगे एवं लिख सकेंगे। • कहानी का मंचन/अभिनय, बालसभा/उत्सव में कर सकेंगे।
6	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–6 स्वस्थ तन सुखी जीवन (निबन्ध)	• निबन्ध को पढ़कर समझ एवं उसमें निहित भाव को व्यक्त कर सकेंगे। • निबंध पढ़कर स्वास्थ्य से संबंधित बातों को जानकर नए शब्दों का अर्थ समझकर उनका लेखन में संदर्भ के अनुसार उपयोग कर सकेंगे। • पाठ पढ़कर बनी समझ के आधार पर विविध प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • सर्वनाम शब्दों को समझकर वाक्यों में यथोचित प्रयोग कर सकेंगे। • विशेषणों को समझ कर नवीन वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • सफाई के महत्त्व को समझकर अपने जीवन में अपना सकेंगे।

7	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–7 बालक का स्वप्न (कहानी)	• कहानी को पढ़कर समझकर उसकी वर्तमान परिस्थितियों के साथ तुलना कर सकेंगे। • नये शब्दों को समझकर उनका लेखन में प्रयोग कर सकेंगे। • विषय वस्तु को समझकर प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे। • कहानी को पढ़कर व समझकर उसे समूह में सुना सकेंगे। । • कल्पना एवं अनुमान के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।

टर्म–2			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
8	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–8 नया समाज बनाएँ (कविता)	• कविता को धाराप्रवाह गति से पढ़ते हुए समझकर एवं हाव भाव के साथ गाकर सुना सकेंगे। • कविता के केन्द्रीय भाव को समझकर, समूह में व्यक्त कर सकेंगे। • नए शब्दों के अर्थ को समझकर संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर सकेंगे। • अनुनासिक एवं अनुस्वार शब्दों की पहचान कर कविता में से छाँट सकेंगे। • चिन्तन एवं कल्पना के आधार पर प्रश्नों के जवाब दे सकेंगे। • मनपसन्द गीत,कविता,दोहे आदि का संकलन कर डायरी तैयार कर सकेंगे। • आदर्श समाज की कल्पना कर सकेंगे।
9	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–9 सदाचार (निबन्ध)	• निबन्ध को पढ़कर–समझकर मूल भाव को बता सकेंगे। • निबन्ध में आए नए शब्दों का अर्थ समझते हुए स्वयं की भाषा में प्रयोग कर सकेंगे। • निबन्ध की विषयवस्तु को स्वयं के जीवन एवं परिवेश से जोड़ते हुए जवाब दे सकेंगे। • सदाचारी व्यक्ति के गुणों की समूह में चर्चा कर सकेंगे। • मूल शब्द में शब्दांशों को जोड़कर नया शब्द बना सकेंगे। • उपसर्ग,प्रत्यय व विपरीत अर्थ वाले शब्दों को जान सकेंगे। • महापुरुषों के नामों / कार्यों / चित्रों का संकलन कर सकेंगे।
10	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–10 नारी शक्ति की प्रतीक–भगिनी निवेदिता (जीवनी)	• जीवनी विधा को समझकर "भगिनी निवेदिता" के जीवन से परिचित हो सकेंगे। • साहित्य की नवीन विधा (जीवनी) से परिचित होकर एवं पढ़कर समझ सकेंगे। • विभिन्न लोगों द्वारा लिखी जीवनी को पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। • देशभक्त नारियों के नामों एवं कार्यों का संकलन कर सकेंगे। । • पाठ को पढ़कर बनी समझ के आधार पर विविध प्रश्नों के जवाब दे सकेंगे। । • नए शब्दों का अर्थ ग्रहण कर संदर्भानुकूल प्रयोग कर सकेंगे। ।

1	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–11 नीति के दोहे (दोहे)	• दोहों को उचित लय एवं गति से पढ़ सकेंगे। • दोहो को पढ़कर, समझकर एवं अर्थग्रहण के अनुसार भावार्थ बता सकेंगे। • पढ़ी गई विषयवस्तु के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख सकेंगे। • कबीर एवं रहीम के अन्य दोहों को पढ़ने हेतु प्रेरित हो सकेंगे। • अन्य कवियों के नीति के दोहों का संकलन कर सकेंगे। • दोहों को याद कर शनिवारीय–सभा/बाल–सभा/उत्सव व अन्य कार्यक्रम में सुना सकेंगे। • विशेषण को समझकर उनका वाक्यों में उचित प्रयोग कर सकेंगे।
12	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–12 मजेदार कबड्डी (संवाद)	• संवाद को पढ़कर, समझकर एवं संवाद बोलने व लिखने के कौशल को जान सकेंगे। • नवीन शब्दों की जानकारी कर एवं उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। । • प्रश्नों को समझ कर विषयवस्तु से ढूँढ कर लिख सकेंगे। • तर्क के आधार पर अपनी बात समूह के समक्ष अभिव्यक्त कर सकेंगे। • कल्पना करके विभिन्न प्रकार के संवाद बोल व लिख सकेंगे। • विभिन्न पात्रों का मय संवाद अभिनय कर सकेंगे। • भारत के विभिन्न खिलाड़ियों के चित्रों का संकलन कर सकेंगे। • उपसर्ग की प्रकृति और शब्द निर्माण की समझकर नवीन शब्द बना सकेंगे। • विलोम शब्दों को समझ सकेंगे। • खेल की शब्दावली, खिलाड़ियों के चित्रों का संकलन व खेलों से संबंधित जानकारी एकत्र कर सकेंगे।
13	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–13 किताबें (कविता)	• कविता को पढ़कर आनन्द ले सकेंगे और उचित भाव के साथ गा सकेंगे। • अपने आस–पास, दोस्तों आदि से चर्चा कर पुस्तकों के बारे मे जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। • विषयवस्तु के आधार पर प्रश्नों के जवाब लिख सकेंगे। • शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सकेंगे। • पर्यायवाची शब्दों को समझकर अन्य समानार्थी शब्दों के बारे में जान सकेंगे।

14	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–14 स्वर्ण नगरी की सैर (संस्मरण)	• संस्मरण विधा से परिचित हो सकेंगे। • नये शब्दों का अर्थ ग्रहण कर संदर्भ से समझकर उनका प्रयोग कर सकेंगे। • चित्र देखकर स्वयं सृजन कर वाक्य लिख सकेंगे। • अन्य संस्मरणों को पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। • पर्यायवाची शब्दों को समझकर लेखन में उचित प्रयोग कर सकेंगे। • पठित मुहावरों का संकलन कर सकेंगे। • अपने आस–पास स्थित दर्शनीय स्थल का वर्णन कर सकेंगे।

टर्म–3			
क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	पाठ / इकाई	पाठवार अधिगम उद्देश्य
15	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–15 पन्ना का त्याग (कहानी)	• कहानी को पढ़कर समझकर वर्तमान परिस्थितियों के साथ तुलना कर सकेंगे। • विषय वस्तु को समझकर प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे। • नये शब्दों को समझकर अपने लेखन में इनका प्रयोग कर सकेंगे। • वीरांगनाओं के बारे में जान सकेंगे। • कहानी का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • विराम चिह्नों को समझकर उचित प्रयोग कर सकेंगे। • विशेषण शब्दों को समझकर उनका रूप परिवर्तन कर नये शब्द बना सकेंगे। • नई कहानियों का सृजन कर सकेंगे।
16	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	पाठ–16 दृढ़निश्चयी सरदार (संस्मरण)	• संस्मरण को पढ़कर, समझकर अन्य संस्मरण पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकेंगे। • महापुरुषों के चारित्रिक गुणों को जान सकेंगे। • नये शब्दों के अर्थ को समझकर लेखन में उनका प्रयोग कर सकेंगे। • स्वयं संस्मरण लिखने हेतु प्रेरित हो सकेंगे। • महापुरुषों के चित्रों का संकलन कर स्क्रेप बुक बना सकेंगे। • विलोम शब्दों को समझकर उचित प्रयोग कर सकेंगे। • नये शब्दों को समझकर वाक्य में सार्थक प्रयोग कर सकेंगे।
	• सुनकर समझना और समझकर बोलना • पढ़ना और पढ़कर समझना • लिखना • व्यावहारिक व्याकरण • सृजनात्मक अभिव्यक्ति • परिवेशीय सजगता	**पुनरावृति कार्य**	• अर्जित ज्ञान का सुदृढ़ीकरण एवं स्मृति विकसित कर सकेंगे। • पाठ्यवस्तु को पढ़कर समझ सकेंगे। • अर्जित ज्ञान के आधार पर सजृनात्मक कार्य करना। • पूछे गए प्रश्नों के उत्तर समझ के साथ दे सकेंगे। • संज्ञा, सर्वनाम व क्रिया शब्दों का प्रयोग कर वाक्य सृजन कर सकेंगे।